नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भिलाई - दुर्ग

अमंत्रमक्षरं नास्ति नास्ति मूलमनौषधम्।

राजभाषा दृष्टिपथ
RAJBHASHA VISION

अपने समस्त प्रशासकीय, कार्यालयीन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों में हिन्दी को संपर्क, संचार और संप्रेषण की भाषा के रूप में अपनाना, तथा तकनीकी, वित्तीय, वाणिज्यिक एवं प्रबंधन के अन्य सभी कार्यों में राजभाषा के प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि करना ।

उद्देश्य :

1. हिन्दी को अपनाकर संस्था में संचार, संप्रेषण एवं संपर्क की प्रभावकारिता में वृद्धि करना ।
2. मानव में अंतर्निहित रचनात्मकता (creativity) एवं नवसर्जनात्मकता (innovativeness) को भाषाई अवरोधों से मुक्त करना ।
3. दैनिक व्यवहार, कार्यालयीन कार्यों एवं पारस्परिक संवादों में हिन्दी का प्रयोग कर राजभाषा प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना ।
4. राजभाषा को उसका गौरवपूर्ण स्थान प्रदान कर राष्ट्रीय चेतना, भावना एवं अस्मिता के साथ एकीकृत होना ।